वार्षिक प्रतिवेदन

2024-25

राष्ट्रीय सेवा भारती

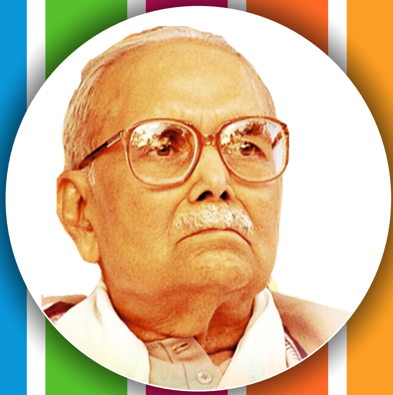

पाथेय कण

जब हम ये देखते है की दुनिया का सबसे श्रेष्ठ देश भारत होगा। सबसे धनवान देश होने की आवश्यकता नहीं है चरित्रवान देश होगा। Prosperous भी होगा और विश्व को इस झगड़े वाले, संघर्ष वाले रास्ते से हटाकार समन्वय के, प्रेम के, आपस में मिलजुल कर चलने के भाईचारे के, इस मार्ग पर चला सकेगा। मगर, यह वही भारत चला सकेगा जो स्वयं सशक्त हैं, समृद्ध है और किसी के आगे हाथ फैलाने के लिए विवश नहीं है।

यह राष्ट्र हजारों वर्षों से हिन्दू राष्ट्र है। हिन्दू राष्ट्र बनाना नहीं है , स्थापित नहीं करना है, इसकी घोषणा भी नहीं करनी है, अपितु हिन्दू राष्ट्र का सर्वांगीण विकास करना है।

परम पूज्य प्रो. राजेंद्र सिंह
"रज्जू भैया"जी

अनुक्रमणिका

- मंगलकामना 2
- वार्षिक प्रतिवेदन -2024-25 3
- राष्ट्रीय सेवा भारती परिचय 4
- सेवा कार्यवृत्त 6
- न्यास मंडल 7
- जागरण 10
- सहयोग 16
- प्रशिक्षण 20
- स्व. सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना 23
- अध्ययन 27
- विशिष्ट कार्य 29

मंगलकामना

अपनी संस्कृति में सर्वमंगल की कामना यह हमारा अधिष्ठान रहा है।

“सर्वे भवन्तु सुखिनः। सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु। मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत्॥”

इस प्रार्थना को हृदयस्थ कर के अनगिनत लोगों के अपने जीवन में कर्तव्य की प्रेरणा प्राप्त की है।

इसी भावना से समाज में कोई भी वंचित, पीड़ित, उपेक्षित ना रहे इसलिए देशभर में हजारों लाखों लोग कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा भारती, प्रांत प्रतिनिधि संस्था (प्रांतीय सेवा भारती) तथा संबद्ध संस्था हम सब मिलकर ऐसे सेवारत व्यक्ति संस्थाओं से संपर्क बनाये रखते है। एक ही उद्देश्य से प्रेरित लेकिन अन्यान्य क्षेत्रों में विविध भागों से चलने वाले सभी व्यक्ति व संस्था एक दूसरे से मिलकर काम करने इस नाते से प्रेरणा लें यही प्रयास रहता है।

अध्ययन, प्रशिक्षण, जागरण और सहयोग इन विषयों द्वारा देश के सेवा क्षेत्र में कार्य करने का राष्ट्रीय सेवा भारती का प्रण है। साथ ही समसामयिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर आपदा प्रबंधन जैसे नये आयाम भी कार्य में जुड़ते रहते है।

सेवा के ऐसे प्रयासों से अपने धर्म की रक्षा करते हुए अपनी भारत माता को शीघ्र वैभव के सिंहासन पर आरूढ़ देखने की हमारी इच्छा पूर्ण हो तथा ईश्वर उस के लिए हमें शक्ति दे यही प्रार्थना है।

सुनील सप्रे
अध्यक्ष

वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25

राष्ट्रीय सेवा भारती सशक्त, समरस समाज निर्माण के पथ पर निरंतर अग्रसर है। अपने साथ संलग्न 800+ सेवा संस्थाओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यकर्ताओं के विकास के लिए स्व. सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना शुरू की गई है, जिससे संस्थाओं और कार्यकर्ताओं का बहुमुखी विकास होगा। अध्ययन और प्रशिक्षण के माध्यम से सभी विषयों जैसे आपदा प्रबंधन, किशोरी विकास, स्वावलंबन, सुपोषित भारत, CSR आदि में एक मजबूत टीम सभी प्रान्तों में खड़ी करने में सहयोग करती है। निरंतर सेवा कार्यों से सफल परिणाम प्राप्त होते हैं, इसका उदाहरण केरल का कर्मयोगिनी समागम है, जहां 35,620 से अधिक महिलाएं वैभवश्री, स्वयं सहायता समूह, स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत सेवा भारती से जुड़ी बहनों का एक विशिष्ट कार्यक्रम हुआ, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सफल प्रमाण है।

सुपोषित जागरण में भी सेवा भारती एक कदम और आगे बढ़ी है। इस वर्ष हम 4 लाख 59 हजार लोगों तक पहुंचने में सफल हुए हैं।

सेवा भारती के सेवा भावी कार्यकर्ताओं को मैं नमन करती हूं और भविष्य की सेवा यात्रा के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

रेणु पाठक
महामंत्री

परिचय

राष्ट्रीय सेवा भारती

परिचय

- **"नर सेवा नारायण सेवा"**, यह ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत हैं। समाज के लिए सदैव तत्पर रहने वाले स्वयंसेवी संगठनों को सेवा कार्यों के लिए समय-समय पर प्रोत्साहित तथा सहयोग करने का कार्य राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा किया जाता है। राष्ट्रीय सेवा भारती एक छत्र संस्था (Umbrella Organization) है । सभी प्रान्तों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन व सामाजिक सेवा कार्यों के द्वारा समाज को समरस व एकता के सूत्र में बांधती हैं।
- देश में भीषण आपदा के समय राष्ट्रीय सेवा भारती से सम्बद्ध संस्थाओं के लाखों कार्यकर्ता दिन रात जुड़ते है, उसके परिणाम स्वरूप करोड़ों प्रभावित लोगों की सेवा हो पाती है।

दृष्टिकोण

- स्वैच्छिक संस्थाओं और समर्पित कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास द्वारा समाज के वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित बंधुओं को शिक्षित, समरस एवं स्वावलंबी कर सुदृढ़ एवं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करना।

उद्देश्य

- अपने साथ संलग्नित स्वयंसेवी संस्थाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान कर सामूहिकता का भाव जागृत कर जागरण, सहयोग, प्रशिक्षण एवं अध्ययन द्वारा कौशल बढ़ाना।

मान बिंदु

- पारदर्शिता, समर्पण, राष्ट्रीय एकता और देश के वैधानिक नियमों का दृढ़ता से अनुपालन।

सेवा कार्यवृत

शिक्षा
19520

स्वास्थ्य
9560

कुल सेवाकार्य
44121

सामाजिक
9392

स्वावलंबन
5649

राष्ट्रीय सेवा भारती

जागरण | सहयोग | प्रशिक्षण | अध्ययन

न्यास मण्डल

न्यास मंडल

मा. पराग अभ्यंकर
स्थायी आमंत्रित

श्री सुनील सप्रे
अध्यक्ष

श्रीमती अमिता जैन
उपाध्यक्ष

श्री रोमेन शर्मा
उपाध्यक्ष

श्री सुधीर कुमार
अ. भा. संगठन मंत्री

श्रीमती रेणु पाठक
महामंत्री

श्री विजय पुराणिक
संयुक्त महामंत्री

डॉ. राम कुमार
मंत्री

श्री रामेंद्र सिंह
मंत्री

श्री अनिल माहेश्वरी
कोषाध्यक्ष

श्री विकास नामजोशी
कार्यकारी अधिकारी

श्रीमती चंद्रिका चौहान
न्यासी

श्री विनोद बिडला
न्यासी

श्री चंद्रशेखर एक्का
न्यासी

श्री कुलभूषण आहूजा
न्यासी

श्री कृष्ण मोहन
न्यासी

न्यास मंडल

श्रीमती सविता कुलकर्णी
न्यासी

श्रीमती शिल्पा वर्णेकर
न्यासी

श्री बी. रब्बू मनोहर
न्यासी

श्री गोविंद अग्रवाल
न्यासी

श्री मधुसूदन दादू
न्यासी

श्री मनोज चटर्जी
न्यासी

मा. राज कुमार मटाले
आमंत्रित

मा. सेंथिल कुमार
आमंत्रित

श्री जयदेव दादा
आमंत्रित

श्री पद्म कुमार
आमंत्रित

श्री गुरूशरण प्रसाद
विशेष आमंत्रित

श्री मूलचंद सोनी
विशेष आमंत्रित

श्री ऋषिपाल डडवाल
विशेष आमंत्रित

श्री व्यंकटेश मूर्ति
विशेष आमंत्रित

श्री प्रमोद कुलकर्णी
विशेष आमंत्रित

श्री उदय सिंह
विशेष आमंत्रित

राष्ट्रीय सेवा भारती

जागरण | सहयोग | प्रशिक्षण | अध्ययन

जागरण

जागरण

सुपोषित भारत अभियान

- राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा 'सुपोषित भारत अभियान' की शुरुआत की गई, जिसके अंतर्गत किशोरियों, गर्भवती महिलाओं एवं 5 वर्ष से कम आयु के बालक-बालिकाओं के समग्र पोषण हेतु विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। विगत दो वर्षों से सितंबर माह में देशभर में 'सुपोषण जागरण सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है, इसी कड़ी में 01 से 30 सितम्बर 2024 तक सुपोषित जागरण अभियान में निम्न कार्यक्रम लिए गए :

पत्रक वितरण | स्टीकर/ बैनर लगाना | नुक्कड़ नाटक | बस्ती बैठक/ ग्राम सभा | संगोष्ठी , व्याख्यान | पोस्टर | बैनर लगाना | सोशल मीडिया एवं पत्र पत्रिकाओं में लेख | पोस्टर स्पर्धा | लघु फिल्म | सोशल मीडिया कैम्पेनिंग | दीवार लेखन | स्वास्थ्य शिविर | जागरण रैली | अन्य

26	313	1724	1494	459559
प्रान्त	जिलें	बस्तियाँ	अन्य गाँव	लाभार्थी/ सहयोगी

जागरण

सेवा गाथा

- 2017 को माननीय भैया जी जोशी द्वारा भोपाल में लोकार्पित हुई, सेवागाथा वेबसाइट में हर वर्ष नये सोपान जुड़ रहे हैं। सेवा कार्यों से हुए सकारात्मक परिवर्तन पर कंटेंट पहले सिर्फ कहानी के रूप में उपलब्ध थे पिछले चार वर्षों से सेवा का संदेश देनेवाले छोटे बड़े वीडियो भी देशभर में प्रसारित किए जा रहे हैं। यह प्रेरक कहानियां पॉडकास्ट के रूप में स्पॉटिफाई पर सेवागाथा चैनल में भी सुनी भी जा सकती हैं। छोटी-छोटी प्रेरक घटनाओं को पोस्टर्स के जरिए प्रसारित किया जा रहा है। सेवागाथा लोकार्पण के समय केवल हिंदी व अंग्रेजी (2 भाषाओं) में थी। आज हिन्दी, अंग्रेजी समेत मराठी, कन्नड़, गुजराती, तेलुगू, मलयालम, उड़िया एवं बंगला सहित कुल 9 भाषाओं में उपलब्ध है। सेवागाथा पर प्रकाशित जानकारी का विवरण निम्नानुसार हैं :-

कुल भाषा	कहानियाँ		वीडियो	पोस्टर्स	ऑडियो	प्रान्त टोली
	मौलिक	अनुवादित				
9	102	663	467	264	228	37

सेवागाथा का विस्तार वेबसाइट के अतिरिक्त डिजिटल प्लेटफार्म (सोशल मीडिया) पर भी हो चुका है, जिनका निम्नलिखित विस्तार है (reach):-

	फेसबुक	व्हाट्स एप्प	ट्विटर	यू ट्यूब	इन्स्टाग्राम
सब्सक्राइबर / ग्रुप्स	सब्सक्राइबर 98614	ग्रुप्स 460	सब्सक्राइबर 11955	सब्सक्राइबर 3 K	सब्सक्राइबर 11240
विस्तार	27 लाख +	5.3 लाख +	2 लाख +	10 हजार +	5.3 लाख +

जागरण

प्रकाशन

सेवा दिशा 2024

- प्रत्येक पांच वर्ष की अवधि में सम्पूर्ण भारत के स्वयंसेवकों, सेवा भारती तथा मातृसंगठनों द्वारा संचालित सेवा कार्यों की जानकारी का संकलन **"सेवा दिशा 2024"** पुस्तिका का प्रकाशन किया गया है। इस पुस्तिका का **हिंदी** और **अंग्रेजी** दो भाषाओं में प्रकाशन किया गया।
- पुस्तिका का सभी प्रान्तों में वितरण किया गया। जिसमें हिंदी – **22605**, अंग्रेजी – **11320**, कुल **33925** संख्या रही।

पत्रिका प्रकाशन

- **22 प्रान्तों** में मासिक/ त्रैमासिक **18** पत्रिका प्रकाशित की जाती है (Hard Copy)।
- **20 प्रान्तों** में ई पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

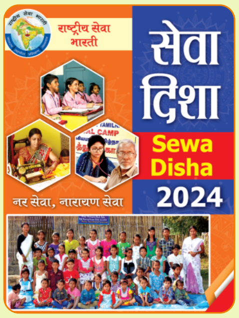

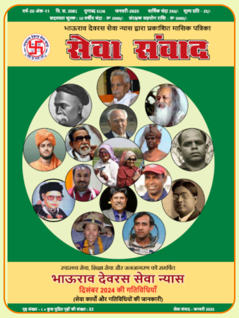

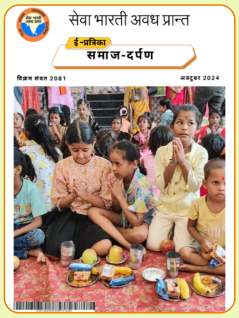

जागरण

प्रकाशन

राष्ट्रीय सेवा साधना 2025

- राष्ट्रीय सेवा भारती के द्वारा प्रकाशित वार्षिक विशेषांक राष्ट्रीय सेवा साधना 2025, जो आपदा प्रबंधन पर आधारित है, पुस्तक के रूप में प्रकाशित की गई है।
- इस पुस्तक में आपदा प्रबंधन के विशेषज्ञों के लेख, सेवा भारती एवं अन्य स्वयंसेवी संगठनों द्वारा आपदा में किए गए सेवा कार्यों का विवरण और स्वयंसेवकों के अनुभव सम्मिलित किये गए हैं।
- यह पुस्तक हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित की गई है।

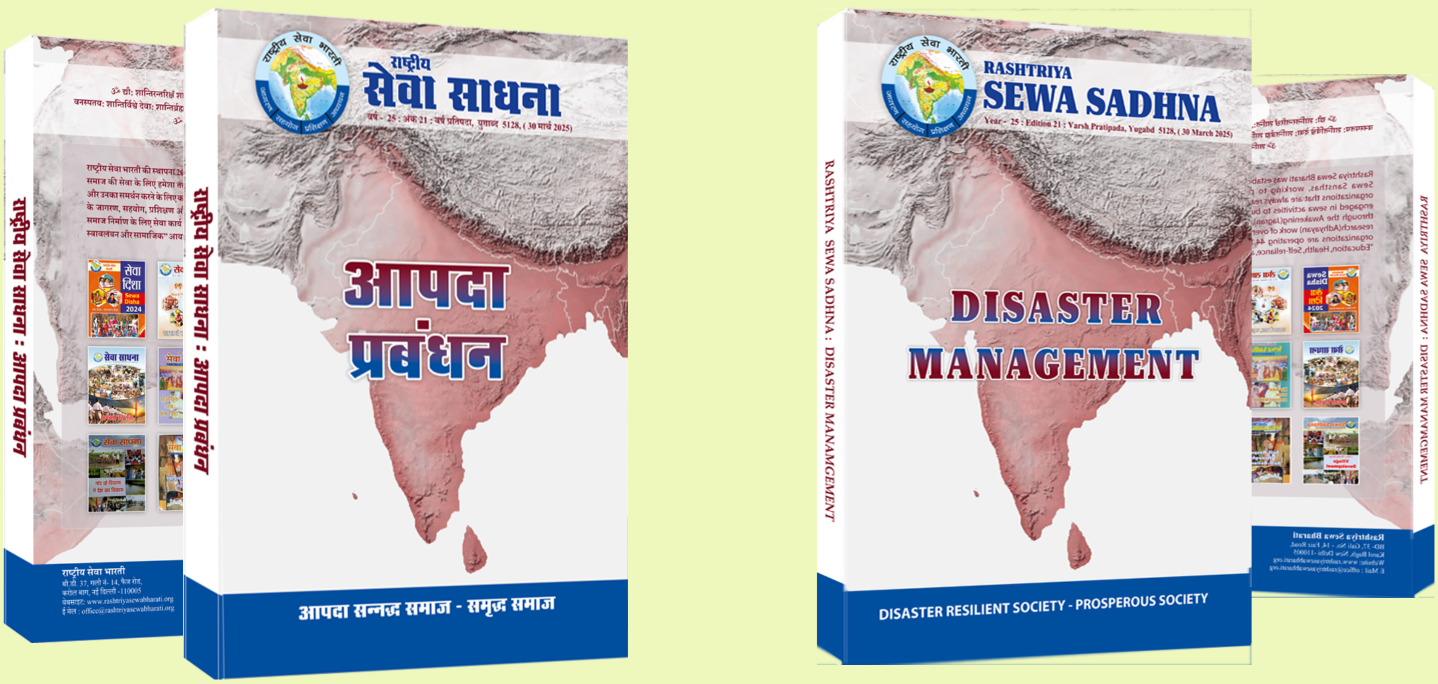

जागरण

समृद्धि वार्ता

- राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा स्वावलंबन आयाम को गति देने हेतु हर माह के अंतिम गुरुवार, रात 9:00 से 10:00 बजे **"समृद्धि वार्ता"** वेबिनार का आयोजन किया जाता है। अब तक 11 अंक संपन्न हुए हैं।

वेबिनार के मुख्य बिंदुः

- प्रांतों से प्रेरणादायक सफलता की कहानियाँ
- प्रकल्प विवरण, लाभार्थियों की संख्या, आय व विपणन पद्धति
- शासकीय योजनाओं, ऋण, उत्पाद व विशेषज्ञ जानकारी
- डिजिटल व सोशल मीडिया मार्केटिंग जैसे विषयों पर मार्गदर्शन
- कार्यकर्ताओं की विशेषज्ञता का लाभ लेकर भविष्य में प्रकल्पों के विस्तार में सहायता
- विषय ज्ञान व संसाधनों के आदान-प्रदान का प्रभावी मंच

- कोंकण, देवगिरी, जम्मू, मध्य भारत, मालवा, ब्रज प्रांतों की प्रेरणादायक कार्यों की प्रस्तुतियाँ हुई हैं।

राष्ट्रीय सेवा भारती

जागरण सहयोग प्रशिक्षण अध्ययन

सहयोग

सहयोग

सपोर्ट अ चाइल्ड (SAC)

- सपोर्ट अ चाइल्ड (SAC) योजना राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा संचालित की जा रही है, जिसमें भारत के विद्यार्थियों के शिक्षण हेतु विश्व हिन्दू परिषद् , अमेरिका द्वारा वित्तीय सहयोग प्राप्त होता है। **शैक्षणिक सत्र 2024-25** में सेवा भारती द्वारा चलाए जाने वाले छात्रावासों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए इसका सहयोग प्राप्त हुआ है। गत वर्ष **7 छात्रावासों** के **582 विद्यार्थियों** को इस योजना से जोड़ने में हम सफल हुए हैं।

26 प्रान्त

07 छात्रावास

582 छात्र/ छात्राएं

सहयोग

हिमाचल प्रदेश में बाढ़ के कारण भूस्खलन

- राष्ट्रीय सेवा भारती के सहयोग से हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों में हिमाचल सेवा भारती ने राहत कार्य किया एवं स्वयंसेवकों ने रामपुर जिले में आपदा सामग्री का वितरण किया।

असम में विनाशकारी बाढ़

- वर्ष 2024, असम क्षेत्र में बाढ़ से 20 जिलों में हजारों परिवार, पशुधन और आजीविका प्रभावित हुए। राष्ट्रीय सेवा भारती के सहयोग से सेवा भारती पूर्वांचल ने प्रभावित 160 गांवों में कुल 8667 परिवारों को आवश्यक आपूर्तियों के साथ सहायता प्रदान की गई, जिससे संकट में उल्लेखनीय कमी आई और संकट से उबरने में सहायता मिली।

गोंडा (उ. प्र.) रेल दुर्घटना

- उत्तर प्रदेश के गोंडा में हुए रेल हादसे में घायलों और पीड़ितों को बचाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और सेवा भारती के 100 से अधिक स्वयंसेवकों ने राहत कार्य किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने एकजुट होकर घायलों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए निजी एवं सरकारी एंबुलेंस का प्रयोग किया। इस बीच स्वयंसेवकों ने 30 यूनिट ब्लड भी डोनेट किया।

हिंडौन नगर (राज.) भरी बारिश से जलभराव

- राजस्थान के हिंडौन नगर में, भारी बारिश से घर-घर पानी भर गया, तालाब का पानी भी शहर में घुस गया। 1000 लोगों के लिए भोजन तैयार किया गया, और पानी भरी गलियों के बीच जाकर, टोकरी, रस्सी इत्यादि के माध्यम से भोजन एवं पानी की बोतलें वितरित की गयी।

सहयोग

वायनाड (केरल) बारिश के कारण भूस्खलन

- वायनाड, केरल: 30 जुलाई 2024 को मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन की विनाशकारी श्रृंखला ने वायनाड जिले में 125 लोगों की जान गई। 200 से अधिक लोग घायल हुए सेवा भारती और एनडीआरएफ के सहित बचाव दल जीवित बचे लोगों की तलाश और शव बरामद करने के लिए अथक प्रयास किये गए। बचाव प्रयासों में सहायता के लिए, सेवा भारती ने प्रभावित लोगों के लिए आवश्यक आपूर्ति और सहायता जुटाने के लिए पूरे केरल में संग्रह केंद्र स्थापित किए गए ।

राष्ट्रीय सेवा भारती

जागरण सहयोग प्रशिक्षण अध्ययन

प्रशिक्षण

प्रशिक्षण

चार्टेड अकाउंटेंट्स कार्यशाला

- मा. मंगेश जी भिंडे (अ. भा. व्यवस्था प्रमुख) के सानिध्य में स्वयंसेवी संस्थाओं के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को प्रशिक्षण देने हेतु दिनांक 22 जून 2024 से 23 जून 2024 को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स कार्यशाला का आयोजन ऋषिहुड विश्वविद्यालय, जी.टी. रोड, बहालगढ़, सोनीपत (हरियाणा) में किया गया। दो दिवसीय कार्यशाला में 230 कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

प्रान्त कोषाध्यक्ष एवं कार्यालिय प्रमुख वर्ग

- राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा दो दिवसीय अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष एवं कार्यालय प्रमुख प्रशिक्षण वर्ग सेवा साधना केंद्र, झिन्झोली जिला-सोनीपत (हरियाणा) में आयोजित किया गया। जिसमें देशभर से 34 प्रान्तों से कोषाध्यक्ष / सह कोषाध्यक्ष, कार्यालय प्रमुख / सह कार्यालय प्रमुख एवं न्यास मंडल सदस्य / अधिकारी सहित कुल 82 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

अध्ययन प्रमुख प्रशिक्षण वर्ग

- राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा अध्ययन प्रमुख प्रशिक्षण वर्ग पुणे (महाराष्ट्र) में दिनांक 1–2 फरवरी 2025 को आयोजित किया गया। वर्ग के उदघाटन सत्र में श्री सुधीर कुमार जी (अ. भा. संगठन मंत्री –राष्ट्रीय सेवा भारती) उपस्थित रहे । वर्ग में अध्ययन और वैभवश्री के अध्ययन विषय पर प्रशिक्षण रहा । समापन सत्र श्री विजय पुराणिक जी (संयुक्त महामंत्री –राष्ट्रीय सेवा भारती) द्वारा रहा। दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में 27 प्रांतों से 77 कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

प्रशिक्षण

प्रान्त प्रतिनिधि संस्था कार्यकर्त्ता बैठक

- राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा आयोजित सेवा भारती प्रांतीय प्रतिनिधि संस्थाओं के अध्यक्ष,मंत्री, संगठन मंत्री एवं प्रशिक्षण प्रमुखों के साथ दो दिवसीय बैठक का आयोजन राजस्थान के चूरू जिले में ऐतिहासिक स्थान ताल छापर कस्बे में दिनांक 28 से 29 जून 2024 तक आयोजित हुआ। इस बैठक में संपूर्ण भारत में सेवा भारती द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की गुणवत्ता एवं सभी सेवा बस्तियों तक पहुंच बनाने के निमित विषय प्रमुखों ने पीपीटी के माध्यम से योजना एवं वृत प्रस्तुत किया। इस बैठक में विषय प्रमुखों ने पिछले वर्ष का वृत एवं गुणवत्ता पूर्ण कार्य योजना जिनमें छात्रावास, प्रशिक्षण, अध्ययन, सीएसआर, स्वावलंबन, वैभवश्री, सेवा दिशा वृत विश्लेषण, प्रचार, आपदा प्रबंधन, कार्यालय, सुपोषित भारत, किशोरी विकास, सेवा में महिला कार्य एवं कार्यकर्ता विकास योजना पर चर्चा एवं योजना प्रस्तुत की गई। संपूर्ण भारत से चयनित 12 सेवा कार्यों का विशेष वृत प्रांत के पदाधिकारियों ने प्रस्तुत किया। इन परिणामकारी प्रकल्पों से प्रेरणा लेकर अन्य प्रांतों ने योजना की चर्चा की। कुछ सत्रों में श्रेणी अनुसार सेवा कार्यों की चर्चा की गई। इस बैठक में अ. भा. सेवा प्रमुख मा. पराग जी अभ्यंकर का सानिध्य प्राप्त हुआ ।

स्व. सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता

विकास योजना

स्व. सूर्यनारायण राव सेवा
कार्यकर्ता विकास योजना

समूह 1 - तृतीय प्रशिक्षण वर्ग - "अनुभूति"

- राष्ट्रीय सेवा भारती ने अपने कार्यकर्ताओं के बहुमुखी विकास एवं प्रबंधन क्षमता बढ़ाने के दृष्टिकोण से स्व. सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना के लिए पूरे भारतवर्ष से प्रथम समूह के चयनित 27 कार्यकर्ताओं के साथ कार्यकर्ता विकास योजना की विकास यात्रा प्रारंभ की। इसी कड़ी में स्व. सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना के तृतीय प्रशिक्षण वर्ग "अनूभूति" छ.संभाजी नगर (महाराष्ट्र) में 23 जुलाई 2024 से 29 जुलाई 2024 तक आयोजित किया गया है । इस वर्ग में 25 उत्साही विकास यात्रियों ने एक परिवर्तनकारी 6- दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। जिसमें ग्रामीण और नगरीय सेवा बस्तियों के प्रकल्पों को उनके कार्य क्षेत्र में जाकर परियोजना सम्बंधित जानकारी प्रत्यक्ष दर्शन कर एवं कार्यशाला में विशेषज्ञों के माध्यम से प्रकल्प परियोजना प्रबंधन, गतिविधियाँ, लक्ष्य, उद्देश्य, मूल्याङ्कन PRA सिद्धांत, उपकरण और तकनिकी, कम्युनिकेशन व्यवस्थापन, संवाद कौशल एवं लोकाभिमुकता जैसे विषयों पर जानकारी दी गई।

समूह 1- चतुर्थ प्रशिक्षण वर्ग - "दीक्षा"

- प्रथम समूह के अंतिम वर्ग “दीक्षा” का आयोजन विवेकानंद केंद्र- कन्याकुमारी में दिनांक 15 नवंबर 2024 से 20 नवंबर 2024 तक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। वर्ग में कार्यकर्ताओं की मानसिक वृद्धि एवं वैचारिक स्पष्टता के लिए बौद्धिक सत्र के माध्यम से मा. सेंथिल कुमार जी (अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), निवेदिता दीदी (उपाध्यक्ष, विवेकानंद केंद्र), मा. सुधीर कुमार जी (अ.भा. संगठन मंत्री, राष्ट्रीय सेवा भारती) और मा. विजय पुराणिक जी (सयुंक्त महासचिव, राष्ट्रीय सेवा भारती) का उद्बोधन रहा। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में विवेकानंद केंद्र के अध्यक्ष मा. बालकृष्णन जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं माननीय मुकुंदा जी (सह सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) का समापन पाथेय प्राप्त हुआ। समस्त भारतवर्ष से प्रथम समूह के चयनित 27 कार्यकर्ताओं को सकारात्मक परिवर्तन की दिशा के लिए प्रशिक्षित किया गया।

समूह 2 -प्रथम प्रशिक्षण वर्ग - "दिशा"

- द्वितीय समूह के लिए सभी क्षेत्रों से कुल 71 कार्यकर्ताओ के नाम आए, इसमें द्वितीय समूह का चयन पूर्ण करके 30 कार्यकर्ताओं के नाम स्व. सूर्यनारायण कार्यकर्ता विकास योजना के लिए निश्चित किए गये। स्व. सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना के द्वितीय समूह का प्रथम प्रशिक्षण वर्ग “दिशा” डॉ. आंबेडकर वनवासी कल्याण ट्रस्ट, सूरत, गुजरात में दिनांक 13 फ़रवरी से प्रारंभ होकर दिनांक 16 फ़रवरी 2025 को सम्पन्न हुआ । इस वर्ग में श्री उदय जोगलेकर जी वरिष्ट प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पालक अधिकारी के रूप में सानिध्य प्राप्त हुआ। सम्पूर्ण भारत से चयनित कुल 28 विकास यात्रियों ने इस प्रशिक्षण वर्ग में भाग लिया। इस कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर वनवासी कल्याण ट्रस्ट, राष्ट्रीय सेवा भारती एवं इस योजना के प्रमुख कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

अध्ययन

अध्ययन

आगामी योजना

- राष्ट्रीय सेवा भारती के 'अध्ययन' आयाम के अंतर्गत देशभर में संचालित विविध प्रकल्पों, उपक्रमों तथा गतिविधियों की प्रभावशीलता के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक विषयों पर अध्ययन किया जाता है। पूर्व में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा छात्रावास, मातृछाया एवं सेवा बस्ती क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति पर केंद्रित अध्ययन संपन्न किए गए हैं।
- वर्तमान वर्ष में वैभवश्री (स्वयं सहायता समूह) प्रकल्पों का अध्ययन करना निश्चित किया गया है। इसमे वैभवश्री प्रकल्पों में महिलाओं की समूह में सहभागिता से व्यक्तिगत जीवन, उनके परिवारों, ग्राम समुदायों तथा आस-पड़ोस के सामाजिक व्यवहार में क्या परिवर्तन आए हैं, इसका अध्ययन किया जायेगा ।
- यह अध्ययन **ऑनलाइन एप** के माध्यम से किया जायेगा। अध्ययन प्रक्रिया को सुचारु और प्रभावी बनाने हेतु क्षेत्रीय स्तर पर प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन भी किया गया है।

सेवा संस्थाओं के

विशिष्ट कार्य

विशिष्ट कार्य

रन फॉर गर्ल चाइल्ड

तेलंगाना प्रान्त

- **"Run for a Girl Child"** सेवा भारती तेलंगाना द्वारा 2017 से प्रतिवर्ष हैदराबाद में किशोरी विकास योजना के संचालन हेतु धन संग्रह के लिए आयोजित किया जा रहा है, इसी कड़ी में 9वां संस्करण 2 फरवरी 2025 को आयोजित किया गया, इसमें 10,060 से अधिक लोगों ने पंजीयन कराया तथा 8656 से अधिक प्रतिभागियों ने दौड़ में भाग लिया।

गुजरात प्रान्त

- सेवा भारती सूरत द्वारा 2025 में किशोरी विकास योजना के संचालन हेतु धन संग्रह के लिए **"Run for a Girl Child"** का प्रथम संस्करण दिनांक 01 जनवरी 2025 को आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मेराथन की चार श्रेणीयों में 10,000 से अधिक लोगो की सहभागिता रही।

विशिष्ट कार्य

कर्मयोगी संगम

- सेवा भारती दक्षिण तमिलनाडु द्वारा रविवार, 2 मार्च 2025 को अमृता विश्वविद्यालय परिसर नागरकोइल कन्याकुमारी में कर्मयोगिनी संगमम का आयोजन किया गया। समागम में 35,620 प्रतिभागी उपस्थित रहें। स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत सेवा भारती की वैभवश्री, स्वयं सहायता समूह, से जुड़ी बहनों का एक विशिष्ट कार्यक्रम हुआ।

कुल जिले	30
सहभागी जिले	23
कुल प्रतिभागी	35620

विशिष्ट कार्य

राष्ट्रीय सम्मेलन:
सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पर शोध एवं नीतिपरक समाधान

- मुंबई विश्वविद्यालय ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) और राष्ट्रीय सेवा भारती के सहयोग से एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का विषय था: **“शैक्षणिक अनुसंधान पर सामाजिक-आर्थिक वातावरण का प्रभाव: एक नीतिपरक दृष्टिकोण”**। कार्यक्रम में पद्मश्री गिरीश प्रभुणे, पद्मश्री जे.के. बजाज, प्रो. धनंजय सिंह (ICSSR), विजयराव पुराणिक (राष्ट्रीय सेवा भारती), कुलपति प्रो. रविंद्र कुलकर्णी सहित देशभर से अनेक प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया।
- **मुख्य बिंदु:** शोध को समाजोपयोगी और व्यवहारिक बनाने पर बल।सामाजिक विज्ञान के माध्यम से ग्रामीण-शहरी अंतर, हाशिए के समुदायों की चुनौतियाँ, और तकनीकी उपयोग पर चर्चा।नीति निर्माण में योगदान देने वाले अनुसंधान की आवश्यकता।
- सम्मेलन में 300 से अधिक शोधकर्ता, विद्यार्थी और विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

हितचिन्तक मिलन कार्यक्रम- दिल्ली

- सेवा का पुनीत कार्य समाज के बंधुओं के सहयोग द्वारा ही चल रहा है, ये बंधु-भगिनी समय-समय पर सेवा के इन कार्यों में अपना सहयोग करते रहते हैं। प्रतिवर्ष राष्ट्रीय सेवा भारती समाज के गणमान्य बंधुओं का एक कार्यक्रम भारत के विभिन्न राज्यों में आयोजित करती है। ऐसे सभी बन्धुओं के मिलन कार्यक्रम को **"हितचिंतक मिलन"** का नाम दिया गया है।
- इसी कड़ी में सभी हितचिन्तक सदस्यों का वार्षिक मिलन कार्यक्रम इस वर्ष दिनांक रविवार, 23 फरवरी 2025, बेनयान ट्री स्कूल, लोधी रोड, नई दिल्ली-110001, नई दिल्ली में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ** के **'सह सरकार्यवाह'** **"माननीय श्री आलोक कुमार जी"** का सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में 100 से अधिक हितचिंतकों की उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय सेवा भारती

कार्यालय पता

बी.डी.-37, गली न.-14, फैज रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली -110005
वेबसाइट : www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618 मोबाइल न. 09868245005

राष्ट्रीय सेवा भारती के डिजिटल प्लेटफार्म पर जाने के लिए QR कोड को स्कैन करें